RANCHI WOMEN'S COLLEGE, RANCHI

SYLLABUS FOR B.A. SANSKRIT
CORE COURSE (CC)
DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)
GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)
AND
B.A PASS COURSE

UNDER
CHOISE BASED, CREDIT SYSTEM
(CBCS)
OF UGC FROM ACADEMIC SESSION 2018-2021
Approved by Board of studies
Department of Sanskrit Ranchi
Women's College Ranchi

Approved by the experts of academic council
on 28/03/2018

प्रथम समसत्र (Ist Semester)

सी-1

संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)

खण्ड (क)

सन्धि प्रकरण- **40 अङ्क**

अध्येय सूत्र-

स्वर सन्धि- इको यणचि, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, स्थानेऽन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अदेङ् गुणः, आद्गुणः, उपदेशेऽजनुनासिक इत्, उरण् रपरः, लोपः शाकल्यस्य, पूर्वत्रासिद्धम्, वृद्धिरादैच्, वृद्धिरेचि, उपसर्गाः क्रियायोगे, एङि पररूपम्, अचोऽन्त्यादि टि, शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, अकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, प्लुतप्रगृह्याऽचि नित्यम्, ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्, इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च।

व्यञ्जन सन्धि- स्तोः श्चुना श्चुः, शात्, ष्टुना ष्टुः, न पदान्ताट्टोरनाम्, तोः षि, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, आदेः परस्य, खरि च, मो राजि समः क्वौ, झयो होऽन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, वा पदान्तस्य, ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम्, छे च, पदान्तात् वा।

विसर्ग सन्धि- विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, ससजुषो रुः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च, हलि सर्वेषाम्, रोऽसुपि, रो रि, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, विप्रतिषेधे परं कार्यम्।

खण्ड (ख)

कारकप्रकरण- **20 अङ्क**

अध्येय सूत्र- प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथितञ्च, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, प्रकृत्यादिभ्यः उपसंख्यानम्, येनाङ्गविकारः, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदाने, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पञ्चमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, षष्ठी शेषे, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यतश्च निर्धारणे, यस्य च भावे न भावलक्षणम्।

खण्ड (ग)

व्याकरणशास्त्र का इतिहास- **20 अङ्क**

अध्येय प्रकरण- पाणिनिपूर्व व्याकरण की स्थिति; पाणिनि-देशकाल, जीवनवृत्त एवं अष्टाध्यायी; कात्यायन- देशकाल, जीवनवृत्त एवं वार्तिक; पतञ्जलि- देशकाल, जीवनवृत्त एवं महाभाष्य; व्याकरणशास्त्र का प्रयोजन।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

Soraa 7/3/18 Neena 7/3/18 07/03/18 07/3/2018 Usha Kiran 07.03.2018

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

खण्ड (क)

प्रश्न-1) सन्धि प्रकरण से सात (7) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	2X7= 14
प्रश्न-2) पाँच सूत्रों में से दो (02) सूत्रों की व्याख्या	4X2= 8
प्रश्न-3) छः में से तीन (03) सन्धि विच्छेद	3X3= 9
प्रश्न-4) छः में से तीन (03) सन्धि	3X3= 9

खण्ड (ख)

प्रश्न-5) कारक प्रकरण से तीन (03) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	2X3= 6
प्रश्न-6) पाँच में से दो (02) कारक सूत्रों की व्यारव्या	4X2= 8
प्रश्न-7) पाँच में से दो (02) पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश	3X2= 6

खण्ड (ग)

प्रश्न-8) 'व्याकरणशास्त्र का इतिहास' से दो में एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न	20X1= 20

अनुशंसित पुस्तकें-

i. लघुसिद्धान्त कौमुदी- श्रीधरानन्दशास्त्री- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

ii. लघुसिद्धान्त कौमुदी-महेश सिंह कुशवाहा- चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी

iii. व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास- श्री रमाकान्त मिश्र- चौखम्बा विद्याभवन

Usha Kiran
07.03.2018

सी-2

संस्कृत साहित्य (पद्यकाव्य)

खण्ड (क)

रघुवंशम्- द्वितीय सर्ग (1-25 श्लोक) 30 अङ्क

खण्ड (ख)

किरातार्जुनीयम्- प्रथम सर्ग (1-26 श्लोक) 30 अङ्क

खण्ड (ग)

महाकाव्य- इन महाकाव्यों का संक्षिप्त परिचय- रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, बुद्धचरितम्, भट्टिकाव्यम्, जानकीहरणम् 20 अङ्क

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

खण्ड (क) रघुवंशम्

प्रश्न-1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	2X5= 10
प्रश्न-2) दो में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर	8X1= 8
प्रश्न-3) दो में से एक (01) श्लोक की संस्कृत में सप्रसङ्ग व्याख्या	7X1= 7
प्रश्न-4) दो में से एक (01) श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	5X1= 5

खण्ड (ख) किरातार्जुनीयम्

प्रश्न-5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	2X5= 10
प्रश्न-6) दो में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर	8X1= 8
प्रश्न-7) दो में से एक (01) श्लोक की संस्कृत में सप्रसङ्ग व्याख्या	7X1= 7
प्रश्न-8) दो में से एक (01) श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	5X1= 5

खण्ड (ग)

प्रश्न-9) चार में से किन्हीं दो (02) महाकाव्यों पर टिप्पणी 10X2= 20

अनुशंसित पुस्तकें-

i. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)- पं० वेणीमाधव सदाशिवशास्त्री मुसलगांवकर-विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

ii. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)- अखिलेश पाठक- प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

iii. रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः)- रामकृष्ण शुक्ल- रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद

iv. रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः)- विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

v. संस्कृत साहित्य का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय- शारदा निकेतन, वाराणसी

7/3/18 7/3/18 07/03/18 7/3/2018 07.03.2018

द्वितीय समसत्र (IInd Semester)

सी-3

संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत एवं पुराण)

संस्कृत साहित्य का इतिहास- रामायण, महाभारत एवं पुराण — 80 अङ्क

रामायण- (क) सामान्य परिचय, (ख) काल-निर्धारण, (ग) उपजीव्यता, (घ) रामायणकालीन समाज और संस्कृति, (ङ) रामायण का साहित्यिक महत्त्व, आदिकाव्य के रूप में रामायण।

महाभारत- (क) महाभारत का विकास क्रम, (ख) उपजीव्यता, (ग) काल-निर्धारण (घ) महाभारतकालीन समाज, (ङ) महाभारत का साहित्यिक महत्त्व, (च) रामायण और महाभारत का पौर्वापर्य।

पुराण- (क) पुराण की परिभाषा, (ख) पुराणों के लक्षण, (ग) महापुराणों की संख्या (घ) इन महापुराणों का सामान्य परिचय- श्रीमद्भागवत, अग्नि, विष्णु, स्कन्द एवं पद्म

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न — 2X10=20

प्रश्न-2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर — 20X3=60

अनुशंसित पुस्तकें-

i. संस्कृत साहित्य का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय- शारदा निकेतन, वाराणसी
ii. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी
iii. संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'-चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

7/3/18

7/3/18

Usha Kiran
07.03.2018

07/3/2018

सी-4

संस्कृत साहित्य (गद्यकाव्य)

खण्ड (क)

शुकनासोपदेश (कादम्बरी) 30 अङ्क

खण्ड (ख)

शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास) 30 अङ्क

खण्ड (ग)

गद्यसाहित्य- संस्कृत गद्य की परम्पराएं, शास्त्रीय एवं साहित्यिक गद्य, इन गद्यकाव्यों का परिचय- (क) कादम्बरी, (ख) हर्षचरितम्, (ग) वासवदत्ता (घ) दशकुमारचरितम् (ङ) शिवराजविजयम् 20 अङ्क

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अङ्कों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अङ्कों की (**परीक्षावधि- 3 घण्टे**)

खण्ड (क) शुकनासोपदेश

प्रश्न-1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न 2X5= 10

प्रश्न-2) दो में से **एक** (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर 8X1= 8

प्रश्न-3) दो में से **एक** (01) **गद्यांश** की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या 7X1= 7

प्रश्न-4) दो में से **एक** (01) **गद्यांश** का हिन्दी में अनुवाद 5X1= 5

खण्ड (ख) शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)

प्रश्न-5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न 2X5= 10

प्रश्न-6) दो में से **एक** (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर 8X1= 8

प्रश्न-7) दो में से **एक** (01) **गद्यांश** की **संस्कृत में सप्रसङ्ग** व्याख्या 7X1= 7

प्रश्न-8) दो में से **एक** (01) **गद्यांश** का हिन्दी में अनुवाद 5X1= 5

खण्ड (ग) गद्यसाहित्य

प्रश्न-9) चार में से किन्हीं दो (02) पर टिप्पणी 10X2= 20

अनुशंसित पुस्तकें-

i. शुकनासोपदेशः- देवेन्द्र मिश्र- रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद

ii. शुकनासोपदेशः- आचार्य रामनाथ शर्मा-'सुमन'- साहित्य भण्डार, मेरठ

iii. शिवराजविजयः- डा० रमाशङ्कर मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

iv. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास-कपिलदेव द्विवेदी

v. संस्कृत साहित्य का इतिहास- उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'-चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

7/3/18 7/3/18 07/03/18 07/3/2018 07.03.2018

जी०ई०-1

संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)

खण्ड (क)

सन्धि प्रकरण- **60 अङ्क**

अध्येय सूत्र-

स्वर सन्धि- इको यणचि, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, स्थानेऽन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अदेङ् गुणः, आद्गुणः, उपदेशेऽजनुनासिक इत्, उरण् रपरः, लोपः शाकल्यस्य, पूर्वत्रासिद्धम्, वृद्धिरादैच्, वृद्धिरेचि, उपसर्गाः क्रियायोगे, एङि पररूपम्, अचोऽन्त्यादि टि, शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, अकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, प्लुतप्रगृह्याऽचि नित्यम्, ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्, इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च।

व्यञ्जन सन्धि- स्तोः श्चुना श्चुः, शात्, ष्टुना ष्टुः, न पदान्ताट्टोरनाम्, तोः षि, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, आदेः परस्य, खरि च, मो राजि समः क्वौ, झयो होन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, वा पदान्तस्य, ङमो ह्रस्वादचि ङमुण्नित्यम्, छे च, पदान्तात् वा।

विसर्ग सन्धि- विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, ससजुषो रुः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च, हलि सर्वेषाम्, रोऽसुपि, रो रि, ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, विप्रतिषेधे परं कार्यम्।

खण्ड (ख)

कारकप्रकरण- **20 अङ्क**

अध्येय सूत्र- प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथितञ्च, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, प्रकृत्यादिभ्यः उपसंख्यानम्, येनाङ्गविकारः, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदाने, रुच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पञ्चमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, षष्ठी शेषे, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यतश्च निर्धारणे, यस्य च भावे न भावलक्षणम्।

खण्ड (ग)

व्याकरणशास्त्र का इतिहास- **20 अङ्क**

अध्येय प्रकरण- पाणिनिपूर्व व्याकरण की स्थिति; पाणिनि-देशकाल, जीवनवृत्त एवं अष्टाध्यायी; कात्यायन- देशकाल, जीवनवृत्त एवं वार्तिक; पतञ्जलि- देशकाल, जीवनवृत्त एवं महाभाष्य; व्याकरणशास्त्र का प्रयोजन।

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

खण्ड (क)

Soran 7/3/18

Neera 7/3/18

Dwivedi 07/03/18

07/3/2018

Usha Kiran 07.03.2018

प्रश्न-1) पाँच सूत्रों में से दो (02) सूत्रों की व्याख्या 10X2=20

प्रश्न-2) आठ में से चार (04) सन्धि विच्छेद 5X4=20

प्रश्न-3) आठ में से चार (04 सन्धि 5X4=20

खण्ड (ख)

प्रश्न-5) पाँच में से दो (02) कारक सूत्रों की व्याख्या 5X2=10

प्रश्न-6) पाँच में से दो (02) पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश 5X2=10

खण्ड (ग)

प्रश्न-7) 'व्याकरणशास्त्र का इतिहास' से दो में एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न 20X1=20

अनुशंसित पुस्तकें-

लघुसिद्धान्त कौमुदी- श्रीधरानन्दशास्त्री- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

लघुसिद्धान्त कौमुदी-महेश सिंह कुशवाहा- चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी

व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास- श्री रमाकान्त मिश्र- चौखम्बा विद्याभवन

7/3/18

07/3/2018

7/3/18

07/03/18

Usha Kiran
07.03.2018

जी०ई०-2

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

100 अङ्क

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति-

भारतीय संस्कृति की विशेषताएं

आश्रमव्यवस्था- (क) आश्रम व्यवस्था की अवधारणा (ख) ब्रह्मचर्य आश्रम- व्युत्पत्ति एवं अर्थ, विशेषता, दिनचर्या, शिक्षा, (ग) गृहस्थाश्रम- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप और विशेषता, गृहस्थाश्रम की श्रेष्ठता, गृहस्थ के कर्तव्य, पञ्चमहायज्ञ, (घ) वानप्रस्थ- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप, महत्त्व, जीवन एवं कर्तव्य, (ङ) संन्यास आश्रम- व्युत्पत्ति एवं अर्थ, संन्यासी की आचारसंहिता

पुरुषार्थ- (क) पुरुषार्थ की अवधारणा, (ख) धर्म- व्युत्पत्ति और अर्थ, विशेषता, विभेद (सामान्य, विशेष एवं आपद्), (ग) अर्थ- स्वरूप और महत्त्व, (घ) काम- व्यत्पत्ति और अर्थ, काम का स्वरूप और महत्त्व, (ङ) मोक्ष- व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरूप और महत्त्व, मोक्षप्राप्ति के आधार

संस्कार-(क) अर्थ और प्रयोजन, (ख) इन संस्कारों का सामान्य परिचय- उपनयन, समावर्तन एवं विवाह

राजनीति- (क) राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धान्त, (ख) राज्य के कार्य, (ग) राजा का महत्त्व और कार्य

प्रश्नों एवं अङ्कों का विभाजन-

समसत्रान्त परीक्षा 100 अङ्कों की (परीक्षावधि- 3 घण्टे)

प्रश्न-1) आठ आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार (04) प्रश्नों का उत्तर 25X4=100

अनुशंसित पुस्तकें-

भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व- डा० सुखवीर सिंह- साहित्य भण्डार, मेरठ

भारतीय संस्कृति और कला- वाचस्पति गैरोला- उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास- डा० जयशंकर मिश्र- बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

7/3/18

07/03/18

07/3/2018

Usha Kiran
07.03.2018